आवश्यकता है आंतरिक स्तर पर परिवर्तन करने की

ज्ञानसरोवर (माऊंट आबू)। प्रसिद्ध लेखक शिव खेड़ा ने ब्रह्माकुमारीज व्यापार एव उद्योग प्रभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय 'राजयोग द्वारा अनिश्चितता के समय में स्थिरता एवं सफलता की प्राप्ति' विषय को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए इंसान को मानसिक, शारीरिक, आर्थिक एवं नैतिक रूप से सक्षम बनना होगा। अगर इनमें से किसी भी एक चीज की कमी है तो सफलता मिलने में संदेह हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति खुद गलती करके सीखता है वो समझदार है लेकिन जो दूसरों की गलतियों को देखकर सीखता है वह अधिक समझदार है। जो व्यक्ति घर में झूठ बोलता है वह बाहर भी अवश्य ही बाहर भी झूठ बोलेगा इसलिए आवश्यकता है आंतरिक स्तर पर परिवर्तन करने की।

ऑक्सफोर्ड लीडरशिप एकेडमी, फ्रांस के मार्क फोरकेड ने कहा कि हम अपने मन को शांत रखकर के ही व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए हमें भावनात्मक रूप से मजबुत बनना होगा और साथा ही साथ अपनी बुद्धि की क्षमता को भी बढ़ाना होगा। यूरोपवासी आज इस विधि को अपनाकर व्यवसाय के हर क्षेत्र में सफलता अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सारा विश्व योग सीखने के लिए भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है। आज की परिस्थितियों में जहां अचानक ही सबकुछ हो रहा है तो ऐसे समय में आवश्यकता है 'परमशक्ति' से जुड़ने की जिससे कि हम अपने मन को स्थिर रख सकें और अपने अंदर आध्यात्मिक शक्ति का विकास कर सकें।

कोहिनुर ग्रुप ऑफ कंपनीज के डायरेक्टर, कृष्ण कुमार गोयल ने कहा कि हम अपनी जिंदगी को व्यवसाय बढ़ाने में, पैसा कमाने में, प्रतिष्ठा बनाने में और व्यवासय की व्यस्तता में ही व्यतीत कर देते हैं। कभी हमने स्वयं के बारे में सोचा ही नहीं न आत्मा के बारे में और न ही परमात्मा के बारे में।

कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर,मिरिश्च दामिनी ने व्यवसाय के क्षेत्र में आध्यात्मिकता कैसे जरूरी है। इस संबंध में बताते हुए कहा कि इस वर्ष हमारी कंपनी ने रजत जयंती मनायी जिससे यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि हम व्यवसाय में आध्यात्मिकता का प्रयोग कैसे कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था हमारी कंपनी में इस कार्य के लिए भागीदार है।

पॉवर लिंकर ग्रुप ऑफ कंपनीज के सी.ई.ओ. बी.के.हरेश भाई ने इस प्रभाग के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए कहा कि आज भारत की कोई भी ऐसी कंपनी नहीं होगी जहां की ब्रह्माकुमारीज् के द्वारा सेल्फ मैनेजमेंट कोर्स, स्ट्रेस फ्री लाईफ, अपने जीवन में मूल्यों को कैसे धारण किया जाए .....इत्यादि विषय पर ट्रेनिंग न दी गई हो या कार्यशाला का आयोजन न किया गया हो।

व्यापार एवं उद्योग प्रभाग के नेशनल क्वाडिनेटर बी.के.एम.एल.शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि परिस्थितियां तो हमें आगे बढ़ाने के लिए ही आती है। अगर स्वयं में संयम और धैर्यता है तो परिस्थितियां कुछ भी नहीं है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा विश्व परिवर्तन के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि परमात्मा के द्वार तक आना ही बहुत बड़े भाग्य की निशानी है।

इस सेमिनार को बी.के.डॉ.निर्मला बहन, ब्र.कु.योगिनी बहन, परेश श्रीवास्तव और ब्र.कु.गीता बहन ने भी संबोधित किया।